सही बातें
विकास

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज

सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें

विकास

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

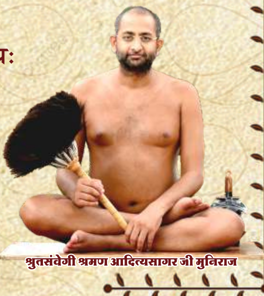

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
विकास

खुद में उत्पन्न होनेवाली
छोटी सी बुरी आदत को भी
तुरन्त समाप्त करें,
वरना
वह आपके
बड़े-बड़े गुण समाप्त कर देगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

लाचारता
हमारी विपत्ति को बढ़ाती है
और
जिम्मेदारी
उसे घटाती है,
इसलिये
विपत्तियों में
लाचार नहीं जिम्मेदार बनें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

हम कई बार
दूसरों की
छोटी-छोटी बातों से
इतना प्रभावित हो जाते हैं,
कि उनके कारण
हमारा प्रभाव ही
समाप्त हो जाता है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

व्यापार और व्यवहार
हमेशा अच्छा होना चाहिये,
व्यापार अच्छा होने से
संपत्ति की वृद्धि होती है
और
व्यवहार अच्छा होने से
संबंधों की...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

काम वो ही करें
जो सही हो
और
जिसमें आपकी रुचि हो,
बिना रुचि के किये गये
सही काम भी
गलत परिणामों को देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

आपके जीवन का
सबसे महत्त्वपूर्ण काम
खुद को खुश रखना है,
अगर आप
खुद को खुश नहीं रख पाये
तो आपका जन्म लेना
बेकार है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जब आपका मित्र
गलत संगति में फसने लगे,
तो पहले उसे टोकें
फिर रोकें
फिर भी न माने तो उसे ठोकें ;
क्योंकि
सच्चा मित्र मरते दम तक
मित्र का भला सोचता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

शब्दों को लिखने में
समय नहीं लगता,
पर
उन्हें जीवन में उतारने में
समय जरूर लगता है,
समय पर शब्द
जीवन में उतर जायें
तो समय बदल जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अगर आप
आंतरिक विकास चाहते हैं,
तो अच्छा साहित्य पढ़ने की
आदत डालिये,
ध्यान रहे-
बिना पढ़े
विकास को नहीं गढ़ा जा सकता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

मैंने कदम-कदम पर
धोखा खाया है
और
उसकी पीड़ा को भी समझा है,
इसलिये
मेरी यही नसीयत है
'तुम किसी को धोखा मत देना'...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जो चीजें आपके लिये
मायने रखती हों,
हो सकता है वो दूसरों के लिये
मामूली हों,
आपके लिये मामूली होने पर भी
वो दूसरों के लिये
महत्त्वपूर्ण हों ;
इसीलिये
मायने रखती हों...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

रिश्तों का महल
छोटी-छोटी बातों से ही बनता है
और
छोटी-छोटी बातों से ही टूटता है,
रिश्तों में
बड़ी-बड़ी बातें ही नहीं
छोटी-छोटी बातें भी
महत्त्वपूर्ण होती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

ललक है
तो आप पचास की उम्र में भी
सीख सकते हैं,
ललक नहीं है तो
आप पच्चीस की उम्र में भी
कुछ नहीं सीख सकते हैं ;
इसीलिये
सीखने के लिये
उम्र नहीं ललक चाहिये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जिस काम को करने में
आप सक्षम न हों,
उसे करने में
दूसरों का सहयोग लेने में
शर्माईये मत ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

देश में हो रही
बर्बादी को देखकर
कुछ लोग समाज को
कुछ लोग सरकार को
तो कुछ लोग भ्रष्टाचार को
दोष देते हैं,
मेरी दृष्टि में
दोष किसी और का नहीं
हम सभी का है ;
क्योंकि उस बर्बादी में
हम भी योगदान दे रहे हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

बुरे समय को
बर्बाद नहीं
बेशकीमती मानिये,
आपके जीवन में आया हुआ
बुरा समय
कुछ-न-कुछ नया
अवश्य देकर जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

कुछ लोग
अच्छी चीज़ों में भी
बुराइयाँ ही खोजते हैं,
इसमें गलती उनकी नहीं
उनके नज़रिये की है ;
क्योंकि
किसी भी चीज़ को
आँखों से नहीं
नज़रिये से देखा जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

उत्तम विचारों को
गौर से पढ़िये
और उन्हें
अपने विचारों में उतारिये ;
आपके विचारों में
बदलाव अवश्य आयेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

हुनर को बढ़ाने के लिये
कल्पनाओं को बढ़ाइये,
जब आपकी
कल्पनाओं में निखार आयेगा
तभी आपके जीवन में
निखार आयेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जितनी असरदार
आपकी अंतर्मन की प्रेरणा होती है
उतनी असरदार
दूसरों की प्रेरणा नहीं होती है,
हो सके तो
दूसरों से प्रेरणा लेने की अपेक्षा
अंतर्मन से प्रेरित होइये ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

होशियार होना
अगल बात है
और
होशियारी दिखाना
अलग बात है,
कुछ लोग
होशियार नहीं होने पर भी
होशियारी दिखाते हैं;
ऐसे लोग कुछ और नहीं
अपनी ही हसी कराते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

नज़रें
सभी के पास होती हैं;
परन्तु
अच्छा नज़रिया
हर किसी के पास नहीं होता है,
नज़र साफ करने के साथ-साथ
अपने नज़रिये को भी साफ करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अपने अंदर
ऊर्जा और उद्यम का
एक ऐसा स्रोत स्थापित करें,
जो आपको
लक्ष्य तक पहुँचाने के लिये
नवीन-नवीन शक्ति का संचार
हमेशा करता रहे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जो लोग
परिस्थितियों और मान्यताओं को
देखते रहते हैं,
उनके बारे में
सोचते रहते हैं,
वो लोग
असफल लोगों की श्रेणी में
खड़े मिलते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अगर आपके अंदर
धैर्य,
धुन,
साहस,
दृढ़ता
और विश्वास,
ये पाँच शक्तियाँ हैं ;
तो किसी भी बदलाव के लिये
आप अकेले ही काफी हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अगर आप
अपने भविष्य का निर्माण चाहते हैं
तो अपने अतीत को
वर्तमान का शिकार
मत करने देना,
वर्तमान के दिन ही
भविष्य का निर्माण करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

संगठन
एक ऐसी ताकत है
जिसके सामने
बड़ी से बड़ी समस्याओं को भी
झुकना पड़ता है,
इसीलिये
अकेले नहीं
संगठन में रहें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

बुरे समय में भी
अच्छे समय की खोज करें
और
यह सोचें कि
समय और भी
खराब आ सकता था,
ऐसा करने से बुरा समय भी
अच्छे से निकल जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

इज़्ज़त से ज्यादा महत्त्वपूर्ण
जीवन में कुछ और नहीं है,
इज़्ज़त के बिना
आपके पास जो कुछ भी है
वह किसी काम का नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जिस दिन आप
सुन लेंगे
अपने अंदर की आवाज़ को,
उस दिन से आपके निर्णय
चुन लेंगे
सही दिशा को...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

मंज़िल
रास्तों से नहीं
हौसलों से मिलती है,
जिनके हौसले बुलंद होते हैं,
उनके लिये
रास्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जिस काम को
करने से पहले खुशी
और
बाद में गम हो
उसे कभी मत करना,
जिस काम को
करने के पहले
और
बाद में भी
खुशी महसूस हो
उसे कभी मत छोड़ना...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अपनी शक्ति
और
समता को
बढ़ाने में ध्यान लगायें
शक्ति और समता के बढ़ते ही
दुनिया आपके सामने
हाथ जोड़े खड़े मिलेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

रिश्ते तो बहुत होते हैं
और
बहुतों से होते हैं
परन्तु
रिश्ते सभी लोगों से
एक जैसे नहीं होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अपने और अपनों के बारे में
अच्छा सोचना
हर कोई जानता है,
परन्तु
परायों के बारे में
अच्छा सोचना
कुछ ही लोग जानते हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अनुशासित लोग ही
अपने उद्देश्यों को
उच्चकोटि तक पहुँचा पाते हैं,
जिन्हें अनुशासन पसंद नहीं
समझ लेना
उन्हें जीवन का निखार भी पसंद नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

किसी भी काम का सही फल
काम के अंत में मिलता है,
इसीलिये
काम करते समय
धीरज धरें
और
बड़े लाभ के लिये
तैयार रहें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

हर सुबह
एक नई जीत का भाव
अवश्य बनाइये,
लेकिन उस जीत में
दूसरों की हार के बारे में
मत सोचिये,
सिर्फ अपनी
जीत के बारे में ही सोचिये
वरना आप जीतकर भी
हारे ही कहे जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

हर दिन को
अच्छा बनाने के लिये
सुबह-सुबह उस दिन के
अच्छा होने की कल्पना करें,
करने वाले काम के बारे में
और
मिलनेवाले लोगों के बारे में सोचें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

किसी भी काम को
प्रारम्भ करने के पूर्व
अपने अंतर्मन से
उसकी गवाही अवश्य लें,
अगर
अंतर्मन गवाही दे दे;
तो उस कार्य को
जरूर संपन्न करें ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

ज़माने पर
विश्वास जमाने के लिये
पहले छोटा वादा करें
और
उसे निभायें,
पुनः
थोड़ा अधिक बड़ा वादा करें
और
उसे निभायें ;
यही क्रम बढ़ाते चले जायें
एक दिन ज़माना
आपका दीवाना हो जायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

ख्याति और विश्वास के बढ़ते ही
आपकी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है,
वह जिम्मेदारी है
उसे निभाने की
हर समय उसे बनाये रखने की ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जो लोग
अनुशासन में रहते हैं
मन उनका गुलाम है
और
जिन्हें
अनुशासन पसंद नहीं है
वो लोग
मन के गुलाम हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अनुशासन
स्वतंत्रता को नहीं
स्वच्छंदता को छीनता है,
ध्यान रखें-
अनुशासन ही आपको
स्वतंत्र बनाकर
स्वपद में स्थापित करता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

बहुत से लोग
नियमों को पसंद नहीं करते हैं,
क्योंकि
उन्हें गलती करना पसंद है
और
सुधरना नापसंद है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

समस्याओं को
दिल और दिमाग में
प्रवेश करने न दें,
दिल और दिमाग
समस्याओं का नहीं
शांति और आनंद का स्थान है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

पहले आप जीतें
अपने मन को,
फिर आप जीतें
दूसरों के मन को ;
क्योंकि
व्यक्तिगत जीत के बाद ही आप
सार्वजनिक जीत के हकदार हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

किसी भी चुनौती को
टालिये मत,
अपने अंदर
उस चुनौती को समाप्त करने की
शक्ति को टटोलिये ;
शक्ति न हो
तो उस चुनौती को
कभी मत स्वीकारिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जीवन में शांति और शक्ति
तभी बढ़ती है,
जब हम
इच्छाओं को घटाते हैं ;
इच्छायें घटते ही
जीवन आगे बढ़ता जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

किसी भी लड़ाई को खत्म करने का
सबसे सुंदर उपाय
समझौता है
थोड़ा आप झुकें
थोड़ा सामने वाला,
तभी हो पायेगा
सुलह और समझौता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

संघर्ष
जीवन का दूसरा नाम है,
जीवन है तो
संघर्ष भी होगा ;
आनंद से
जीवन जीने के लिये
संघर्ष को भी
उल्लास के साथ स्वीकारें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

असफल होने पर न रोयें,
और न ही
असफल होने का चिंतन करें ;
आप खोजें
असफलता के कारणों को
ताकि अलगी बार
असफल न हो सकें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

बच्चों की
क्षमता और समता बढ़ाने के लिये,
उन्हें
कठिन और रचनात्मक काम के लिये
प्रेरित करें ,
उनकी प्रतिभायें तभी निखरेंगी
जब वे
परिस्थितियों को सहन करेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जो लोग कम बोलते हैं
मगर
करते ज्यादा हैं
और जो कुछ भी बोलते हैं
उसे करके ही दिखाते हैं,
वो ही लोग
अच्छे व्यापार
और
अच्छे व्यवहार का
निर्माण कर पाते हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अनावश्यक चीज़ों को
न तो जोड़ें
न ही उन्हें खरीदें,
ऐसी चीज़ों को जोड़कर
आप जगह को बर्बाद कर रहे हैं
और
खरीद कर पैसों को...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

आपके व्यक्तित्व का
विकास और विनाश
दोनों ही आपके हाथों में है,
आप चाहें
तो अच्छी संगत से
उसका विकास कर सकते हैं
और आप चाहें
तो बुरी संगत से
उसका विनाश भी कर सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

समय
न तो पहले खराब था
न ही आज खराब है,
खराब तो आदतें होती हैं ;
आप तो
आदतों का सुधारिये
समय भी सुधर जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

खुशियाँ तो
बाँटी जा सकती हैं,
परन्तु
गम को
नहीं बाँटा जा सकता है,
गम को तो
सिर्फ सहा जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

संबंधों को बनाये रखने का
सबसे सुंदर उपाय है
उपेक्षा,
उपेक्षा करने से
संबंध जुड़े रहते हैं
और
टोकने से टूटते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

न तो आप
दूसरों के अनुसार चल सकते हैं,
न ही दूसरे
आपके अनुसार चल सकते हैं ;
इसीलिये
स्वयं को सुधारें
दूसरों को नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

चाहे प्रभु के वचन हों
या फिर गुरु के,
लोग उन्हें तभी मानते हैं
जब वे उनसे सहमत होते हैं ;
असहमत होने पर
तर्क-वितर्क प्रारम्भ हो जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

वर्तमान समय में
'भरोसा' शब्द
सुनना तो सरल है,
किसी पर भी भरोसा करना
बहुत कठिन है ;
जब हमारी ही श्वासें
कभी भी भरोसा तोड़ सकती हैं,
फिर दूसरों पर क्या भरोसा करना ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जो लोग
बुरी आदतों
और
बुरी संगतों में पड़े हैं,
वो लोग
आज़ाद होने पर भी
गुलाम ही हैं,
या फिर यूँ कहें कि वे लोग
आज़ाद भारत के
गुलाम लोग हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जो लोग
स्वयं के बारे में सोचते हैं,
स्वयं की
गलतियाँ सुधारते हैं,
वो ही लोग
समय का सही उपयोग करते है ;
दूसरों के बारे में सोचना
समय की बर्बादी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

किसी भी
सौदे के पहले
आप मोल-भाव
जरूर करते हैं,
मेरा सिर्फ इतना कहना है
मोल-भाव के कारण
आपके भावों का मोल
कम न होने पाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जीत की अपेक्षा
हार को सहना कठिन है,
दुनिया के सारे घाव
दवा से भर जाते हैं ;
परन्तु
हार का घाव
जीत से ही भरता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

गिरते हुये को देखकर
अगर आपको
खुशी महसूस होती हो
तो समझ लेना
आप भी जल्दी ही गिरने वाले हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

विकास

बेहतर भविष्य
बेहतर सोच
और बेहतर कार्यों से बनता है,
बेहतर सोच
और
बेहतर कार्यों के बिना
भविष्य बेहतर नहीं
बेकार ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

लोग आप पर
तभी विश्वास करेंगे,
जब आप स्वयं
विश्वास के योग्य बनेंगे ;
इसीलिये
विश्वास बाद में बनाइये
पहले
विश्वास के योग्य बन जाइये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

विश्वास
उन्हीं पर टिकता है,
जो अपने सिद्धांतों पर
टिके रहते हैं,
जो अपने सिद्धांतों को
तोड़ देते हैं,
उन पर से
विश्वास भी टूट जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

विश्वास का विकास
चारित्र के विकास पर
निर्भर करता है,
चारित्र का विनाश होने पर
विश्वास का भी
विनाश हो जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

विश्वास
हमें लोगों से
और
लोगों को हमसे
जोड़कर रखता है,
जब तक विश्वास जुड़ा है
तभी तक लोग आपसे जुड़े रहेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

आपकी गलतियों का असर
आपके जीवन में
विशेष रूप से पड़ता है,
जीवन में
सुख-शांति बढ़ाने के लिये
गलतियों को घटाइये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

हमें
ऐसे वातावरण में रहने का
प्रयास करना चाहिये
जहाँ सुकून महसूस होता हो,
जब वातावरण अच्छा होता है
तभी हमारे विचारों में
अच्छापन महसूस होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान
सच है,
झूठ नहीं ;
झूठ से तो
समस्यायें उत्पन्न होती हैं
न कि समाप्त होती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

हमारी कल्पनायें
हमारे जीवन को
और
हमारे व्यवहार को प्रभावित करती हैं,
कल्पनायें बेहतर होंगी;
तो जीवन और व्यवहार भी
बेहतर हो जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

आपके शब्द
अच्छे माहौल को
बिगाड़ भी सकते हैं
और
बिगड़े माहौल को
बना भी सकते हैं,
भूलना नहीं –
माहौल को
बनाना और बिगाड़ना
आपके ही हाथों में है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

जिन लोगों के
सिद्धांत और व्यवहार
मौसम की तरह बदलते हैं,
उनसे विश्वास उठना
कोई आश्चर्य की बात नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

आप जिस गति से
अपने व्यवहार को अच्छा बनायेंगे,
उसी गति से
आपके संबंध भी अच्छे बनते जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

कुछ काम
हम जानके करते हैं
और
कुछ काम धोखे से हो जाते हैं,
लेकिन
चाहे जानके करें
या फिर धोखे से;
वे आपके जीवन में
असर जरूर छोड़ जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अपनी प्रगति के लिये
बाहरी प्रकृति को नहीं
आंतरिक प्रकृति को सुधारिये;
प्रकृति सुधरेगी
तो प्रगति भी सुधरेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अकसर हम
अपनी गलतियों को सुनते ही
सुनाने वाले की गलतियाँ गिनाना
प्रारम्भ कर देते हैं,
लेकिन
हमारा सुधार
गलतियाँ गिनाने से नहीं;
हमारा सुधार
अपनी गलतियाँ सुधारने से होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

सभी लोग जानते हैं
पुण्य-पाप क्या है?
और
क्या करने से पुण्य लगता है?
क्या करने से पाप लगता है?
परन्तु
लोभ के कारण
सभी लोग पाप नहीं छोड़ पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

सहारा भी जरूरी है
इस दुनिया में,
छाता कभी धूप नहीं रोकता,
पर
धूप में चलते रहने का
हौसला जरूर देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अपनों से बड़ों को
प्रणाम करना न भूलें,
खासकर शत्रुओं को;
कई बार प्रणाम
परिणाम बदल देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

क्यों न झुककर
जिया जाये ज़िंदगी को,
दादागिरि करना तो
मरने के बाद की चीज़ है;
जब लोग पैदल चलेंगे
और
आप कांधों पर होंगे ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

अपने द्वारा
बनाये गये लोगों से
थोड़ा बचकर ही रहें,
एक पेड़ से
लाखों तीलियाँ बनती हैं;
मगर
एक तीली
लाखों पेड़ों को जला देती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

रिश्तों की सिलाई
स्वार्थ से नहीं
भावनाओं से करें,
ज़माने को इसे तोड़ने में
ज़माना लग जायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

आजकल लोग कह रहे हैं
अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें
कोरोना वायरस फैल रहा है
मैं सोचता हूँ
अगर आपने पाप किया है
तो वह उदय में आयेगा ही आयेगा
पहले तुमने दूसरों को खाया
पेट भरने के लिये
आज वह तुम्हें खा रहा है
बदला लेने के लिये,
इसमें गलत भी क्या है?
अगर कुछ करना है
तो अहिंसा का पालन करो ना
पाप करके कोरोना के लिये
क्या रोना ???...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

मनुष्य एक ऐसा प्राणी है
जो बिना ठोकर खाये नहीं सुधरता,
उसमें भी भारतीय मनुष्य
ऐसे प्राणी हैं जो खुद पर
बीते बिना नहीं सुधरते,
अतः भारतीयों
खुद पर बीते
परिवार पर बीते
या गुरुओं पर बीते
उसके पूर्व सुधरो ना
सुधरने का प्रयास करो ना ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विकास

आँसू पोंछकर
हसाया है मुझे,
मेरी गलतियों पर भी
सीने से लगाया है मुझे,
कैसे विश्वास न हो
ऐसे गुरु पर,
जिनके आशीष ने
जीना सिखाया है मुझे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर